ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-२६
दिनांक- शुक्रवार, ०८ मई, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३१.४ एवं २०.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८६ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ६८ प्रतिशत, हवा की औसत गति १०.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.१ एवं दोपहर में ३२.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १८.४ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(०९-१३ मई, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ०९ -१३ मई तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- अगले २-३ दिनों तक मैदानी के भागों के जिलों में आसमान प्रायः साफ रह सकता है। उसके बाद इन क्षेत्रों में तथा तराई के क्षेत्रों में हल्के से मध्यम बादल छायें रह सकते हैं। वायुमंडल में हवा तथा अन्य मौसमीय परिस्थितियाँ अनुकूल रहने के कारण पूर्वानुमानित के अवधि में वर्षा की संभावना बनी रहेगी। अगले दो दिनों तक बेगुसराय, समस्तीपुर, वैशाली, सारण, सिवान, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर एवं दरभंगा जिलों में आमतौर पर मौसम शुष्क बने रहने का अनुमान है। उसके बाद अगले १३ मई तक कभी भी वर्षा होने की संभावना है। मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण के जिलों में पूर्वानुमानित अवधि में यानी ९-१३ मई तक कभी भी वर्षा हो सकती है। वर्षा साथ-साथ इन क्षेत्रों में कहीं-कहीं ओला भी पर सकता है तथा हवा की रफतार तेज हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३३ से ३५ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २२-२४ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १५-१८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है तथा वर्षा के समय हवा की रफतार ३०-३५ कि०मी० प्रति घंटा तक जा सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७० से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में ४० से ५० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- विगत कुछ दिनों में उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा हुई है, जिसके चलते खेतों में प्रयाप्त नमी आ गई है, जो बुआई के लिए अनुकुल है। हल्दी की बुआई किसान भाई १५ मई से करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ६० से ७५ किलोग्राम, स्फूर ५० से ६० किलोग्राम, पोटास १०० से १२० किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हल्दी के लिए बीज दर २० से २५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार ३०-३५ ग्राम जिसमें ४ से ५ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी ३०ग२० से०मी० तथा गहराई ५ से ६ से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए २.५ ग्राम दाईथेन एम० ४५ + ०.१ प्रतिशत कारवेन्डाजीम प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- अदरक की बुआई १५ मई से करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ३० से ४० किलोग्राम, स्फूर ५० किलोग्राम, पोटास ८० से १०० किलोग्राम जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम एवं बोरेक्स १० से १२ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर १८ से २० क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार २०-३० ग्राम जिसमें ३ से ४ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी 30x20 से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के ०.२ प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में १० से १५ टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। खरीफ मक्का की बुआई २५ मई से करें।
- खरीफ धान की र्नसरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००- १००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौराई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। देर से पकने वाली किस्मों की नर्सरी २५ मई से लगा सकते हैं।
- उरद् और मूंग की फसल में पीला मोजैक वायरस से ग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर दें। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियॉ तथा फलियॉ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है।
- सभी दुधारु पशुओं को गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से वचाव के लिए टीकाकरण करायें। नए गेहूँ के भूसा को खिलाने के पूर्व करीब २ घंटा पानी में फुला लें एवं ५० ग्राम खनिज मिश्रण तथा ५० ग्राम नमक, चारा-दाना मिलाकर दें।
- सामान्य सलाह- कोरोना वायरस के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए कम से कम ६ फीट की शारीरिक दूरी बनाकर खेतो में कृषि कार्य करें साथ ही मॉस्क अथवा गमछा, रुमाल से मुँह को ढ़क लें।

आज का अधिकतम तापमानः ३२.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.६ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः २१.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.६ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी